



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-04052022-235523
CG-DL-E-04052022-235523

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1952]
No. 1952]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 2, 2022/वैशाख 12, 1944
NEW DELHI, MONDAY, MAY 2, 2022/VAISAKHA 12, 1944

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 मई, 2022

का.आ. 2052(अ).—मंत्रालय की प्रारूप अधिसूचना का.आ. 2050 (आ.), दिनांक 21 मई, 2018 के अधिक्रमण में, अधिसूचना का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और यह सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना को अंतर्विष्ट करने वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा ;

ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव देने का इच्छुक है, वह इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए, अपनी आपत्ति या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 को या ई-मेल esz-mef@nic.in पर लिखित रूप में भेज सकता है।

प्रारूप अधिसूचना

जबकि, कमलांग बाघ रिज़र्व का क्षेत्रफल 783 वर्ग किलोमीटर है और यह अरुणाचल प्रदेश के लोहित जिले में स्थित है;

और, कमलांग वन्यजीव अभयारण्य अधिसूचना संख्या सीडब्ल्यूएल/डी/58/88/3175-3250, तारीख 18 अक्टूबर, 1989 के तहत वन्यजीव अभयारण्य अधिसूचित किया गया था और इसे अधिसूचना सं. सीडब्ल्यूएल/डी/159/2014/680-1781 द्वारा तारीख 6 सितंबर, 2016 से बाघ रिज़र्व का स्तर प्रदान किया गया था;

और, कमलांग वन्यजीव अभयारण्य को नमदफा राष्ट्रीय उद्यान, जो बाघ रिज़र्व भी है, का विस्तार करके उसमें जोड़ा गया है और यह जैव विविधता से समृद्ध है जो विभिन्न वनस्पति एवं जीवजन्तुओं के विकास के लिए आदर्श रूप से उपयुक्त है;

और, कमलांग बाघ रिज़र्व में और इसके चारों ओर मुख्य वनस्पति प्रजातियों में डिप्रोकार्पस मैक्रोकार्पस (होलोग), शोरिया असामिका (साल), एल्टिंगिया एक्सेल (जटली), मोरास लेविगाता (बोला), डिलेनिया इंडिका (आउटेंगा), टर्मिनलिया मेरियोकारपा (होलॉक), टूना सिलिएटा, सिनामोम सीसीडोडाफना, कास्टानोप्सिस इंडिका (हिगोरी), कैनारियम रेसीनेफेरम, डुबांगा ग्रैंडफोलिया (खोकान), डिक्साक्सिलोन हैमिल्टोनि (बंदरडीमा), क्रिप्टोमोरिया पेनिस्वाटा, एलेकार्पस जेनिटरस (रुद्राक्ष), मैग्रोलिया ग्रिफिथी, माइकलिया चैम्पाका (टीता चैम्पा), वेतिसा लान्साफोलिया, अल्बिजिया प्रोसेरा (कोरोई), डेंड्रोकैलेमस हैमिल्टोनि (काको), लीआ एक्मनेट, मेलेस्टोमा मालाबारीका, पिनांगा ग्रेसिलस, कैलामस फ्लोरिबुण्डस (रेडांग) और साइथाई एस पी., आदि पाई जाती हैं;

और, संरक्षित क्षेत्र में मुख्यतः 61 जीवजन्तु प्रजातियों को आश्रय मिलता है जिनमें मैनीस पैन्टाडैक्टाइला (चाईनिस साल), ताल्पा लेकुरा (व्हाइट-टेल्ड मोल), क्रॉसीदुरा एक्लूनेट (ग्रे श्रू), टुपाया बेलेंगेरी (ट्री श्रू), मार्कोग्लोसस सोब्रिनस (लॉग-टंग्ड हिल फ्रूट बैट), निक्टिकेबस कुकैंग (स्लो लोरिस), मैकाका एसामेनसिस (आसामी मैकाक), टैकीपिचकस पिपेटस (कैण्ड लंगुर), कुओन अल्पाइंस (जंगली कुत्ता), उर्सस थिबेटनस (एशियाई काला भालू), माट्स फ्लेविगुला (येलो थ्रोएटेड मार्टिन), लुट्रा लुट्रा (सामान्य ऊदबिलाव), सस स्कॉफा (जंगली सुअर), विवर्रा जिबेटा (बड़े भारतीय गंधबिलाव), पैराडोक्सुरस हेमैप्रोटिट्स (सामान्य पॉम गंधबिलाव), हेर्पेस्टस एडवाइर्सी (धूसर नेवला), फेलिस चाँज़ (जंगली बिल्ली), प्रीओनेलूरस बेंगलेंसिस (तेंदुआ बिल्ली), पाडॉफेलिस मामोराटा (मार्बलड कैट), पैथेरा पार्डस (तेंदुआ), पैथेरा टिगरिस (बाघ), एलीफस मैक्सिमस (हाथी), मुन्टियाकस मुंटजैक (काकड़), नामोरहेडस सुमरात्रिसिस (हिमालयन सेरो), रतुफा बाइकोलोर (मलाया विशालकाय गिलहरी), कैलोसिअयुरस पायजेरथ्रस (होरी-बेलिड गिलहरी), ड्रेमोमाइस लोकरिया (ऑरेंज-बेलिड हिमालय गिलहरी), पेटोरिस्टा पेटोरिस्टा (कॉमन फ्लाइंग गिलहरी), बैंडिकोटा इंडिका (लार्ज बेंडीकोट रैट) और हिस्ट्रिक्स ब्रेक्यूरन (चाइनिस साही) शामिल हैं;

और, बाघ रिज़र्व महत्वपूर्ण उभयचर और सरीसृप प्रजातियों जैसे पिक्साइडिया मुघोटी (केलबॉक्स कछुए), गीक्यो जेको (टोके), पिक्टोलामेस गुलारिस (ब्लू थ्रोएटेड फ़रिस्ट लिज़ार्ड), मुबाय कैरिन्टा (कॉमन सनस्किक), टैकीड्रोसम सेक्सलाइनेटस (एशियाई लॉग टेल्ड ग्रास छिपकली), वारानस बेंगलेंसिस (मॉनिटर लिज़ार्ड), टाईफलोप्स डियारडी (डियार्डस ब्लाइंड स्लेक), पायथन मोलुरस बावितेटस (बर्मसे पाइथन), कोलॉगन्थस रैडस (कॉपरहेड साँप), पारेस मॉन्टिकोला (असम स्लेल ईटर), पीतास कोरोस (इंडो-चाइनिस रैट स्लेक), डेंड्रोलिपीस पेंट्स (पेंटेड ब्रॉज़ेबैक), बोइगा गोकुल (इस्टर्न गामा), ओफिओफैगस ह्यूना (किंग कोबरा) और त्रिमेरुसुरुस युआनानेंसिस- (ग्रीन पिट वाइपर) को संरक्षण और आश्रय प्रदान करता है। 5 उभयचर प्रजातियों में दत्ताफ्रीनस मेलानोस्टिक्टस (कॉमन टूड), हाला एनेक्टेंस (भारतीय हीलिड फ़्राँग), माइक्रोहाला ऑरनेट (ऑरनामेंटल पिग्मी मेंढक), अमोलप्स एसेमेन्सीस (असमिया कैस्केड मेंढक) और रैकोफोरस मैक्सिमस (लार्ज ट्री मेंढक) शामिल हैं;

और, क्षेत्र 11 मछली प्रजातियों का आश्रय प्रदान करता है जिसमें एंगुइला बेंगलेंसिस (लांग फिन एयल), सल्मास्टोमा बेकाइला (लार्ड रेजर बेली मिनोव), दानियो अक्वीनिफिन्टस (डोरिकाना), बारिलियस बरना (बरना ब्राइला), पंटिकस सरना (चिनीपुथी), चुगुइनियस चगुनियो (केंटापुथी), गारा गोटयला (गारा), लेबियो पंगिसिया (सिलघोरिया), टॉर टॉर (टोरी मोहसीर), टॉर पुतिटोरा (गोल्डन माहसीर) और वॉलंगो अन्तु (बोरली) शामिल हैं;

और, बाघ रिज़र्व में एक दुर्लभ वनस्पति प्रजाति सिलोअम नुडम और एक संकटापन्न जीव-जंतु प्रजाति हुलॉक गिबन को भी संरक्षण, सुरक्षा और आश्रय मिलता है;

और, कमलांग बाघ रिज़र्व के क्षेत्र, विस्तार और सीमाओं, जिन्हें पैरा 1 में पारिस्थितिकी, पर्यावरणीय और जैव विविधता की दृष्टि से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में विनिर्दिष्ट किया गया है, को सुरक्षित और संरक्षित करना और

उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों के वर्गों के प्रचालन और प्रसंस्करण करने पर रोक लगाना आवश्यक है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) (जिसे इसमें इसके पश्चात् पर्यावरण अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) एवं उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अरुणाचल प्रदेश राज्य के कमलांग बाघ रिज़र्व, की सीमा के चारों ओर 0 (शून्य) किलोमीटर से 9.836 किलोमीटर तक विस्तारित क्षेत्र को कमलांग बाघ रिज़र्व पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात्:-

1. पारिस्थितिक संवेदी जोन का विस्तार और सीमा.- (1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार कमलांग बाघ रिज़र्व की सीमा के चारों ओर 0 से 9.836 किलोमीटर होगा, पारिस्थितिकी संवेदी जोन 461 वर्ग किलोमीटर है। विभिन्न दिशाओं में पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार निम्न रूप से है:—

दिशाएं	विस्तार (किलोमीटर में)
उत्तर	5.6 से 9.8 किलोमीटर
उत्तर-पूर्व	4.997 किलोमीटर
पूर्व	4.997 किलोमीटर
दक्षिण-पूर्व	0 किलोमीटर
दक्षिण	0 किलोमीटर
दक्षिण-पश्चिम	1.772 किलोमीटर
पश्चिम	3.9 से 3.92 किलोमीटर
उत्तर - पश्चिम	5.12 किलोमीटर

टिप्पण: संरक्षित क्षेत्र की दक्षिणी दिशा में शून्य पारिस्थितिकी संवेदी जोन प्रस्तावित किया गया है क्योंकि कमलांग वन्यजीव अभयारण्य (बाघ रिज़र्व) की दक्षिणी दिशा में नमदाफा राष्ट्रीय उद्यान स्थित है।

(2) कमलांग बाघ रिज़र्व के चारों ओर पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण अनुलग्नक-I के रूप में संलग्न है।

(3) सीमा विवरण और अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन को सीमांकित करते हुए कमलांग बाघ रिज़र्व के मानचित्र अनुलग्नक-IIक, अनुलग्नक-IIख और अनुलग्नक-IIग के रूप में संलग्न है।

(4) कमलांग बाघ रिज़र्व और पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा के भू-निर्देशांकों की सूची अनुलग्नक-III की सारणी क और सारणी ख में दी गई है।

(5) मुख्य बिंदुओं के भू-निर्देशांकों के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची अनुलग्नक-IV के रूप में संलग्न है।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना.- (1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजनों के लिए राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से राज्य के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के लिए इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए आंचलिक महायोजना तैयार करेगी।

(2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रीति से तथा प्रासंगिक केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरूप और राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों, यदि कोई हों, के अनुसार

बनायी जाएगी। (3) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरण संबंधी सरोकारों को समेकित करने के लिए इसे राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से बनाया जाएगा, अर्थात्:—

- (i) पर्यावरण;
- (ii) वन और वन्यजीव;
- (iii) कृषि;
- (iv) राजस्व;
- (v) शहरी विकास;
- (vi) पर्यटन;
- (vii) ग्रामीण विकास;
- (viii) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण;
- (ix) नगरपालिका;
- (x) पंचायती राज; और
- (xi) लोक निर्माण विभाग।

(4) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, आंचलिक महायोजना में वर्तमान में अनुमोदित भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा तथा आंचलिक महायोजना में सभी अवसंरचनाओं और क्रियाकलापों में सुधार करके उन्हें अधिक दक्ष और पारिस्थितिकी-अनुकूल बनाने की व्यवस्था की जाएगी।

(5) आंचलिक महायोजना में वनरहित और अवक्रमित क्षेत्रों के सुधार, विद्यमान जलाशयों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भू-जल के प्रबंधन, मृदा और नदी के संरक्षण, स्थानीय जनता की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण के ऐसे अन्य पहलुओं की व्यवस्था की जाएगी जिन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

(6) आंचलिक महायोजना में सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों एवं शहरी बस्तियों, वनों की श्रेणियों एवं किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, उद्यानों एवं उद्यानों की तरह के हरित क्षेत्रों, बागवानी क्षेत्रों, बगीचों, झीलों और अन्य जलाशयों की सीमा का सहायक मानचित्र के साथ निर्धारण किया जाएगा और प्रस्तावित भू-उपयोग की विशेषताओं का ब्यौरा भी दिया जाएगा।

(7) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी संवेदी जोन में विकास को विनियमित करने के लिए प्रक्रिया प्रदान की जाएगी और सारणी में सूचीबद्ध पैरा-4 में प्रतिषिद्ध और यह विनियमित क्रियाकलापों का अनुपालन करेगी और स्थानीय समुदायों की जीविका को सुरक्षित करने के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल विकास को सुनिश्चित और उसकी अभिवृद्धि भी करेगी।

(8) आंचलिक महायोजना, क्षेत्रीय विकास योजना की सह-कालिक होगी।

(9) राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित आंचलिक महायोजना, निगरानी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज होगी ताकि वह इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार निगरानी के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सके।

(10) आंचलिक महायोजना और किसी भी नई विकासात्मक क्रियाकलापों का विचाराधीन अनुमोदन पैरा 6 के उप-पैरा (3) और (4) में निर्दिष्ट प्रावधानों द्वारा नियमित होगा।

3. राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय.- राज्य सरकार अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

(1) **भू-उपयोग.-** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, बागवानी क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के लिए चिन्हित उद्यानों और खुले स्थानों का वृहद वाणिज्यिक या आवासीय परिसरों या औद्योगिक क्रियाकलापों के लिए प्रयोग या संपरिवर्तन अनुमत नहीं किया जाएगा

परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर ऊपर भाग (क), में विनिर्दिष्ट प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन, निगरानी समिति की सिफारिश पर और क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम तथा यथा लागू केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों के अधीन तथा इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुमत किया जाएगा जैसे:—

- (i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ करना और नई सड़कों का निर्माण करना;
- (ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;
- (iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;
- (iv) कुटीर उद्योग एवं ग्राम उद्योग; पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक सुविधा भण्डार, और स्थानीय सुविधाएं तथा गृह वास; और
- (v) पैरा-4 में उल्लिखित बढ़ावा दिए गए क्रियाकलाप:

परंतु यह भी कि क्षेत्रीय शहरी नियोजन अधिनियम तथा राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना एवं संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों तथा तत्समय प्रवृत्त विधि, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी आता है, का अनुपालन किए बिना वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का प्रयोग अनुज्ञात नहीं होगा:

परंतु यह भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाली भूमि के अभिलेखों में हुई किसी त्रुटि को, निगरानी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात्, राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार सुधारा जाएगा और उक्त त्रुटि को सुधारने की सूचना केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी:

परंतु यह भी कि उपर्युक्त त्रुटि को सुधारने में, इस उप-पैरा में यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन शामिल नहीं होगा।

(ख) अनुप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में वनीकरण तथा पर्यावासों की बहाली के कार्यकलापों से पुनः वनीकरण किए जाने के प्रयास किए जाएंगे।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोत:-** सभी प्राकृतिक जलमार्गों के जलग्रहण क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और आंचलिक महायोजना में उनके संरक्षण और बहाली की योजना सम्मिलित की जाएगी और राज्य सरकार द्वारा दिशा-निर्देश इस रीति से तैयार किए जाएंगे कि उसमें ऐसे क्षेत्रों में या उसके पास विकास क्रियाकलापों को प्रतिषिद्ध और निर्बंधित किया गया हो।

(3) **पर्यटन एवं पारिस्थितिकी पर्यटन:-** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पारिस्थितिकी संवेदी जोन संबंधी पर्यटन महायोजना के अनुसार अनुमत होगा।

(ख) पारिस्थितिकी पर्यटन महायोजना राज्य सरकार के पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से पर्यटन विभाग द्वारा बनायी जाएगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना का घटक होगी।

(घ) पर्यटन महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन की वहन क्षमता के आधार पर तैयार की जायेगी।

(ङ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित किए जाएंगे, अर्थात्:-

- (i) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें से जो भी अधिक निकट हो, किसी होटल या रिजॉर्ट का नया सन्निर्माण अनुमत नहीं किया जाएगा:

परंतु यह, पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक पूर्व परिभाषित और अभीहित क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार, नए होटलों और रिजॉर्ट की स्थापना अनुमत होगी;

- (ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अन्दर सभी नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार, केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों तथा पारिस्थितिकी पर्यटन, पारिस्थितिकी-शिक्षा और पारिस्थितिकी-विकास पर बल देने वाले राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी दिशानिर्देशों (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार होगा;
- (iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन होने तक, पर्यटन के विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल-विशिष्ट संवीक्षा तथा निगरानी समिति की सिफारिश के आधार पर संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुमत किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए होटल, रिजॉर्ट या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान का संनिर्माण अनुमत नहीं होगा।
- (4) **प्राकृतिक विरासत.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले बहुमूल्य प्राकृतिक विरासत के सभी स्थलों जैसे कि जीन पूल रिज़र्व क्षेत्र, शैल संरचना, जल प्रपात, झरने, दर्रे, उपवन, गुफाएं, स्थल, वनपथ, रोहण मार्ग, उत्प्रपात आदि की पहचान की जाएगी और उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।
- (5) **मानव निर्मित विरासत स्थल.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, कलाकृति-क्षेत्रों तथा ऐतिहासिक, स्थापत्य संबंधी, सौंदर्यात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।
- (6) **ध्वनि प्रदूषण.-** पर्यावरण अधिनियम के अधीन ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 में नियत उपबंधों के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण किया जाएगा।
- (7) **वायु प्रदूषण.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।
- (8) **बहिस्त्राव का निस्सरण.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिस्त्राव का निस्सरण, पर्यावरण अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन आने वाले पर्यावरणीय प्रदूषकों के निस्सरण के लिए साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों, जो भी अधिक कठोर हो, के उपबंधों के अनुसार होगा।
- (9) **ठोस अपशिष्ट.- ठोस अपशिष्ट.-** ठोस अपशिष्ट का निपटान एवं प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-
- (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2016 के तहत प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा; अकार्बनिक पदार्थों का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;
- (ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अनुमत किया जायेगा।
- (10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट.-** जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-
- (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।
- (ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप जैव चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अनुमत किया जायेगा।
- (11) **प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(13) **ई-अपशिष्ट.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई-अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित तथा समय-समय पर यथा संशोधित ई-अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **सड़क-यातायात.-** सड़क-यातायात को पर्यावास-अनुकूल तरीके से विनियमित किया जाएगा और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध शामिल किए जाएंगे। आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित होने तक, निगरानी समिति प्रासंगिक अधिनियमों और उनके तहत बनाए गए नियमों एवं विनियमों के अनुसार सड़क-यातायात के अनुपालन की निगरानी करेगी।

(15) **वाहन जनित प्रदूषण.-** वाहन जनित प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण लागू विधियों के अनुसार किया जाएगा और स्वच्छतर ईंधन के उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे।

(16) **औद्योगिक इकाइयां.-** (क) राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन पर या उसके पश्चात पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर कोई नए प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

(ख) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी समय-समय पर संशोधित मार्गदर्शक सिद्धान्तों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार, जब तक कि अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त, गैर प्रदूषणकारी उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों का संरक्षण.-** पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) आंचलिक महायोजना में पहाड़ी ढलानों के उन क्षेत्रों को दर्शाया जाएगा जिनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी;

(ख) जिन ढलानों या विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों में अत्यधिक भू-क्षरण होता है उनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध या विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप, पर्यावरण अधिनियम उसके अधीन बने नियमों जिसमें तटीय विनियमन जोन, 2011 एवं पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 शामिल है सहित वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) अन्य लागू नियमों के उपबंधों तथा उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति से विनियमित होंगे, अर्थात्:—

सारणी

क्रम सं.	क्रियाकलाप	टिप्पणी
क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप		
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाइयां।	(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं जिसमें मकानों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए धरती को खोदना सम्मिलित है, के सिवाय सभी प्रकार के नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाइयां तत्काल प्रभाव से प्रतिषिद्ध होंगी; (ख) खनन प्रचालन, 1995 की रिट याचिका (सिविल) सं. 202 में टी.एन. गौडावर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत संघ के मामले में माननीय

		उच्चतम न्यायालय के आदेश 4 अगस्त, 2006 और 2012 की रिट याचिका (सिविल) सं. 435 में गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के आदेश के अनुसरण में होगा।
2.	प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि, आदि) उत्पन्न करने वाले उद्योगों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुमति नहीं होगी: परन्तु यह कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी समय-समय पर संशोधित मार्ग दर्शक सिद्धान्तों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार जब तक कि अधिसूचना में ऐसा विनिर्दिष्ट न हों, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।
3.	बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना।	प्रतिषिद्ध।
4.	किसी परिसंकटमय पदार्थ का प्रयोग या उत्पादन या प्रसंस्करण।	प्रतिषिद्ध।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या भूमि क्षेत्र में अनुपचारित बहिष्कावों का निस्सरण।	प्रतिषिद्ध।
6.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुमत नहीं होगा।
7.	ईट भट्टों की स्थापना करना।	प्रतिषिद्ध।
8.	फर्मों, कारपोरेट, कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुधन संपदा और कुक्कुट फार्मों की स्थापना।	प्रतिषिद्ध।
ख. विनियमित क्रियाकलाप		
9.	होटलों और रिसोर्टों की वाणिज्यिक स्थापना।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों हेतु लघु अस्थायी संरचनाओं के निर्माण के सिवाय, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, नए वाणिज्यिक होटलों और रिसोर्टों की स्थापना की अनुमति नहीं होगी: परन्तु, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर बाहर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, पर्यटन महायोजना और लागू दिशानिर्देशों के अनुसार सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप करने या विद्यमान क्रियाकलापों का विस्तार करने की अनुज्ञा होगी।
10.	संनिर्माण क्रियाकलाप।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक जो भी निकट हो, किसी भी प्रकार का वाणिज्यिक संनिर्माण अनुमत नहीं किया जाएगा: परन्तु स्थानीय लोगों को पैराग्राफ 3 के उप पैराग्राफ (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित उनके उपयोग के लिए उनकी भूमि में स्थानीय निवासियों की आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने लिए संनिर्माण

		<p>करने की अनुमति भवन उपविधियों के अनुसार दी जाएगी:</p> <p>परन्तु ऐसे लघु उद्योगों जो प्रदूषण उत्पन्न नहीं करते हैं, से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप विनियमित किए जाएंगे और लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से ही न्यूनतम पर रखे जाएंगे।</p> <p>(ख) एक किलोमीटर से आगे आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे।</p>
11.	गैर प्रदूषणकारी लघु उद्योग।	<p>फरवरी 2016, में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी समय-समय पर संशोधित उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग और अपरिसंकटमय, लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, उद्यान कृषि या पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्री से उत्पादों को उत्पन्न करने वाले कृषि आधारित उद्योग सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।</p>
12.	वृक्षों की कटाई।	<p>(क) राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन भूमि या सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर वृक्षों की कटाई नहीं होगी।</p> <p>(ख) वृक्षों की कटाई संबंधित केंद्रीय या राज्य अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार विनियमित होगी।</p>
13.	वन उत्पादों और गैर काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
14.	विद्युत और संचार टॉवर लगाने, तार-बिछाने तथा अन्य बुनियादी ढांचे की व्यवस्था।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा भूमिगत केबल बिछाने को बढ़ावा दिया जाएगा।
15.	नागरिक सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचा।	लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध दिशानिर्देशों के साथ न्यूनीकरण उपाय करना।
16.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ बनाना और नई सड़कों का निर्माण।	लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध दिशानिर्देशों के साथ न्यूनीकरण उपाय करना।
17.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से गर्म वायु के गुब्बारे, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइट्स उड़ाना आदि।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
18.	पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
19.	रात्रि में वाहन यातायात का संचलन।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होगा।
20.	स्थानीय जनता द्वारा अपनायी जा रही वर्तमान कृषि और बागवानी पद्धतियों के साथ डेयरियां, दुग्ध उत्पादन, जल कृषि और मत्स्य पालन।	स्थानीय जनता के प्रयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुमत होंगे।

21.	प्राकृतिक जल निकायों या भू क्षेत्र में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह का निस्सारण।	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल या बहिर्वाह के निस्सारण से बचा जाएगा और उपचारित अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग के प्रयास किए जाएंगे। अन्यथा उपचारित अपशिष्ट जल या बहिर्वाह का निस्सारण लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।
22.	सतही और भूजल का वाणिज्यिक निष्कर्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
23.	खुले कुआ ,बोर कुआ ,आदि कृषि और अन्य उपयोग के लिए।	विनियमित और सम्बद्ध प्राधिकारी द्वारा क्रियाकलापों की सख्ती से निगरानी की जाएगी।
24.	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
25.	विदेशी प्रजातियों को लाना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
26.	पारिस्थितिकी पर्यटन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
27.	पोलिथीन बैगों का उपयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
28.	वाणिज्यिक संकेत बोर्ड और होर्डिंग का प्रयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
ग.संवर्धित क्रियाकलाप		
29.	वर्षा जल संचय।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
30.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
31.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी का अंगीकरण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
32.	ग्रामीण कारीगरी सहित कुटीर उद्योग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
33.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का प्रयोग।	बायोगैस ,सौर प्रकाश इत्यादि को सक्रिय बढ़ावा दिया जाएगा।
34.	कृषि वानिकी।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
35.	बागान लगाना और जड़ी बूटियों का रोपण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
36.	पारिस्थितिकी अनुकूल परिवहन का प्रयोग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
37.	कौशल विकास।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
38.	अवक्रमित भूमि/वनों/ पर्यावासों की बहाली।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
39.	पर्यावरण के प्रति जागरूकता।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

5. पारिस्थितिकी संवेदी जोन अधिसूचना की निगरानी के लिए निगरानी समिति.- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की उपधारा (3) के तहत इस अधिसूचना के उपबंधों की प्रभावी निगरानी के लिए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा एक निगरानी समिति का गठन करती है जिसकी संरचना निम्नानुसार होगी, नामतः:

क्र.सं.	निगरानी समिति के अंग	पद
(i)	उपायुक्त, लोहित जिला, तेजू, अरुणाचल प्रदेश	अध्यक्ष;
(ii)	सदस्य-सचिव, अरुणाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, इटानगर	सदस्य;
(iii)	राज्य सरकार द्वारा नामित किए जाने वाले वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन का एक प्रतिनिधि	सदस्य;
(iv)	राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किए जाने वाले एक जैव विविधता विशेषज्ञ	सदस्य;
(v)	शहरी विकास विभाग, जिला लोहित, तेजू का प्रतिनिधि	सदस्य;
(vi)	ग्रामीण विकास विभाग, जिला लोहित का प्रतिनिधि	सदस्य;

(vii)	लोक निर्माण विभाग, जिला लोहित का प्रतिनिधि	सदस्य;
(viii)	राज्य के प्रतिष्ठित संस्थान या विश्वविद्यालय से पारिस्थितिकी में विशेषज्ञ	सदस्य;
(ix)	संभागीय वन अधिकारी, कमलांग वन्यजीव अभयारण्य, वकरो	सदस्य सचिव।

6. निर्देश निबंधन:- (1) निगरानी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन की निगरानी करेगी।

(2) निगरानी समिति का कार्यकाल अगले आदेश होने तक होगा, परंतु यह कि समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा।

(3) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची के अधीन सम्मिलित क्रियाकलापों और इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध गतिविधियों के सिवाय आने वाले ऐसे क्रियाकलापों की दशा में वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति लेने के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट की जाएगी।

(4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना की अनुसूची के अधीन ऐसे क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(5) निगरानी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध उपायुक्त या संबंधित उपायुक्त ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण अधिनियम की धारा 19 के अधीन परिवाद दायर करने के लिए सक्षम होगा।

(6) निगरानी समिति संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संघों के प्रतिनिधियों या संबंधित हितधारकों को, प्रत्येक मामले में आवश्यकता के अनुसार, अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी।

(7) निगरानी समिति प्रत्येक वर्ष 31 मार्च की स्थिति के अनुसार अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को, अनुलग्नक V में दिए गए प्रपत्र के अनुसार, उस वर्ष की 30 जून तक प्रस्तुत करेगी।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय निगरानी समिति को उसके कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निर्देश दे सकेगा जो वह उचित समझे।

7. अतिरिक्त उपाय.- इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार, अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी।

8. उच्चतम न्यायालय, आदि के आदेश- इस अधिसूचना के उपबंध भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित किए गए या पारित किए जाने वाले आदेश, यदि कोई हो, के अधीन होंगे।

[फा. सं. 25/13/2015-ईएसजेड-आरई]

एस. केरकेट्टा, वैज्ञानिक 'जी'

अनुलप्रक - I**सारणी क: कमलांग बाघ रिज़र्व की सीमा का विवरण**

नाम: कमलांग बाघ रिज़र्व
क्षेत्र: 783.0 वर्ग किलोमीटर
सीमा नीचे दी गई है

उत्तर	बिंदु 'ए' से आरंभ होती है, जो कि जी आर 777414 में लांग नदी के साथ तावा नदी का संगम है, सीमा लांग नदी (लम नदी) प्रतिप्रवाह के दाएं तट के साथ जाती है, यह जी आर 001356 में उसके स्रोत तक है। इसके बाद जी आर 006356 में मेड़ 3912 के लगभग 700 मीटर दूरी के लिए लगभग 90° के दिम्मोण में एक कृत्रिम रेखा के साथ-साथ, इसके बाद दक्षिणी दिशा में मेड़ के साथ चोटी 3936.3948 से लगती है, इसके बाद यह जी आर 044333 में तावा नाला के स्रोत तक पूर्वी दिशा में मेड़ से होते हुए जाती है, यहां से तावा नाला के दाएं किनारे के साथ इसके लती नदी के साथ संगम तक जाती है, इसे बिंदु 'बी' मान लो।
पूर्व	इसके बाद, बिंदु 'बी' से लगभग 300 मीटर लती नदी के प्रतिप्रवाह के साथ उसके स्रोत तक चांगलांग और लोहित जिला की जिला सीमा में, पूर्व 4131 मीटर ऊंचाई तक जाती है।
दक्षिण	इसके बाद, सीमा जी आर 766127 में तवाई बराई के स्रोत तक पश्चिम की ओर चांगलांग और लोहित की अंतर जिला सीमा से होते हुए जाती है।
पश्चिम	इसके बाद, जी आर 745218 में कमलांग नदी के साथ संगम तक यह तवाई बराई अनुप्रवाह के बाएं तट के साथ जाती है; इसके बाद, जी आर 726225 में सीना बराई सहायक नदियों के संगम तक कमलांग नदी के अनुप्रवाह के बाएं तट के साथ जाती है; इसके बाद जी आर 750258 में सीना बराई अनुप्रवाह के नदी तट के साथ स्रोत तक जाती है। इसके बाद, जी आर 748260 में लाई नदी की सहायक नदी के स्रोत तक 200 मीटर की दूरी के लिए लगभग 340° के कोण में कृत्रिम रेखा के साथ जाती है। इसके बाद, जी आर 755274 में लाई नदी के साथ संगम तक यह सहायक नदी के प्रतिप्रवाह के बाएं तट के साथ जाती है; इसके बाद, जी आर 776264 में लाई नदी के अनुप्रवाह के बाएं तट के साथ इसके स्रोत तक जाती है; इसके बाद, जी आर 778267 में 350 मीटर की दूरी के लिए लगभग 10° के कोण में कृत्रिम रेखा के साथ तावा नदी की सहायक नदी के स्रोत तक जाती है, इसके बाद, जी आर 809307 में तावा नदी के साथ संगम तक यह सहायक नदी के अनुप्रवाह के बाएं तट के साथ जाती है, इसके बाद, लांग नदी के साथ संगम तक तावा नदी के अनुप्रवाह के बाएं तट के साथ अर्थात्, आरंभिक बिंदु 'ए' तक जाती है।

नाम: कमलांग बाघ रिज़र्व का मूल क्षेत्र
क्षेत्र: 671.0 वर्ग किलोमीटर
सीमा नीचे दी गई है

मूल क्षेत्र की सीमा भू-निर्देशांक 27°39'13.108" उ और 96°26'6.400" पू में कमलांग वन्यजीव अभयारण्य (बाघ रिज़र्व) के दक्षिण पश्चिम कोने के 1 किलोमीटर अंदर एक बिंदु से आरंभ होती है, इसके बाद से सीमा भू-निर्देशांक 27°44'27.244" उ और 96°24'28.174" पू में बिंदु से होते हुए रिज़र्व सीमा के समानांतर 1 किलोमीटर उत्तर की ओर भू-निर्देशांक 27°53'52.998" उ और 96°28'10.351" पू में बिंदु तक जाती है। इसके बाद, सीमा भू-निर्देशांक 27°50'26.862" उ और 96°35'1.165" पू में बिंदु से होते हुए पूर्व की ओर, 27°47'3.304" उ और 96°45'50.782" पू बिंदु तक जाती है। इसके बाद, भू-निर्देशांक 27°41'58.164" उ और 96°455.407" पू बिंदु तक जाती है। इसके बाद, कमलांग बाघ रिज़र्व की दक्षिणी सीमाओं के साथ पश्चिम की ओर भू-निर्देशांक 27°39'13.108" उ और 96°26'6.400 पू में आरंभिक बिंदु तक जाती है।

नाम: कमलांग बाघ रिज़र्व का बफर क्षेत्र
क्षेत्र: 112.0 वर्ग किलोमीटर
सीमा नीचे दी गई है

बफर क्षेत्र की सीमा भू-निर्देशांक 27°39'13.108" उ और 96°26'6.400" पू में कमलांग वन्यजीव अभयारण्य (बाघ रिज़र्व) के दक्षिणपश्चिम कोने के 1 किलोमीटर अंदर एक बिंदु से आरंभ होती है, इसके बाद, सीमा भू-निर्देशांक 27°44'27.244" उ और 96°24'28.174" पू में बिंदु से होते हुए रिज़र्व सीमा के समानांतर 1 किलोमीटर उत्तर की ओर भू-निर्देशांक 27°53'52.998" उ और 96°28'10.351" पू में बिंदु तक जाती है। इसके बाद, सीमा भू-निर्देशांक

27°50'26.862"उ और 96°35'1.165" पू में बिंदु से होते हुए पूर्व की ओर, 27° 47' 3.304"उ और 96°45'50.782" बिंदु तक जाती है। इसके बाद, भू-निर्देशांक 27°41'58.164" उ और 96°45'5.407" पू में बिंदु से होते हुए दक्षिण की ओर, 27°37'56.165"उ और 96°49'36.606"पू बिंदु तक जाती है। इसके बाद 1 किलोमीटर पूर्व की ओर जाती है, जहां यह रिज़र्व के दक्षिणपूर्व कोने से मिलती है। इसके बाद से, रिज़र्व के दक्षिण की ओर कोने तक रिज़र्व सीमा के साथ उत्तर की ओर इसके बाद पश्चिम की ओर और इसके बाद दक्षिण की ओर जाती है। इसके बाद, 1 किलोमीटर दूरी पूर्व की ओर जाकर आरंभिक बिंदु तक जाती है।

सारणी ख: कमलांग बाघ रिज़र्व के पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण

कमलांग बाघ रिज़र्व के पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण

उत्तर:- भू-निर्देशांक 27° 47' 55.856" उ, 96° 23' 50.92" पू में एक बिंदु से आरंभ होती है; सीमा लोहित नदी के सहायक नदी लांग नदी के अनुप्रवाह के साथ उत्तर-पूर्व की ओर भू-निर्देशांक 27° 55' 32.646" उ, 96° 25' 26.86" पू में एक बिंदु तक जाती है; इसके बाद, सीमा भू-निर्देशांक 27° 55' 39.778"उ, 96° 26' 7.14" पू; 27° 55' 55.704" उ, 96° 26' 23.74" पू के साथ उत्तर-पूर्व की ओर जाती है; इसके बाद, भू-निर्देशांक 27° 55' 46.625" उ, 96° 26' 48.41" पू में लांगबांग की सहायक नदी पर एक बिंदु तक जाती है; इसके बाद, भू-निर्देशांक 27° 56' 58.236" उ, 96° 27' 56.42" पू में उच्च बिंदु 2065 के निकट स्रोत तक लांगबांग की सहायक नदी के साथ जाती है। इसके बाद, भू-निर्देशांक 27° 57' 40.381" उ, 96° 28' 28.12" पू में उच्च बिंदु 2341; भू-निर्देशांक 27° 58' 11.734" उ, 96° 29' 13.35" पू में 2796; भू-निर्देशांक 27°59' 30.199" उ, 96° 31' 15.15" पू में 2901; भू-निर्देशांक 27° 56' 17.909" उ, 96° 34' 53.57" पू में 3196, 2893 (पेरूर) और 3072 तक होते हुए मेड़ के साथ जाती है। इसके बाद, भू-निर्देशांक 27° 55' 45.689" उ, 96° 37' 31.08" पू में उच्च बिंदु 1477; भू-निर्देशांक 27° 56' 1.741" उ, 96° 39' 26.00" पू में 2438, 1256; भू-निर्देशांक 27° 53' 12.228" उ, 96° 43' 1.66" में उच्च बिंदु 292, 3632; भू-निर्देशांक 27° 52' 12.032" उ, 96° 46' 56.54" पू में उच्च बिंदु 3644, 2975, 2605; भू-निर्देशांक 27° 52' 10.304" उ, 96° 48' 48.25" पू में उच्च बिंदु 2020, 2032; भू-निर्देशांक 27° 51' 15.826" उ, 96° 49' 26.08" पू में लती नदी पर बिंदु तक जाती है।

पूर्व:- इसके बाद, भू-निर्देशांक 27° 49' 49.926" उ, 96° 50' 19.77" पू; 27° 47' 50.021" उ, 96° 50' 21.56" पू; 27° 47' 18.485" उ, 96° 50' 29.34" पू में बिंदु से होते हुए मेड़ के साथ दक्षिणी दिशा की ओर; भू-निर्देशांक 27°46' 47.168" उ; 96° 50' 38.91" पू में उच्च बिंदु 3775 तक जाती है। इसके बाद, भू-निर्देशांक 27° 46' 51.791" उ, 96° 50' 11.71" पू में बिंदु तक लगभग 1500 मीटर की दूरी से पश्चिम की ओर जाती है; इसके बाद, दक्षिण-पश्चिम की ओर जाती है यह भू-निर्देशांक 27° 46' 6.290" उ, 96° 49' 50.55" पू में क्लथी नाला (ला टी) से मिलती है; इसके बाद, भू-निर्देशांक 27° 44' 28.273" उ, 96° 48' 34.61" पू में बिंदु तक मेड़ के साथ ला टी को पार करके जाती है; इसके बाद भू-निर्देशांक 27° 41' 35.581" उ, 96° 51' 1.17" में उच्च बिंदु 4289 तक; भू-निर्देशांक 27° 36' 51.354" उ, 96° 54' 5.93" पू में उच्च बिंदु 3962 तक उच्च बिंदु 4001 4149; इसके बाद भू-निर्देशांक 27° 37' 49.760" उ, 96° 51' 45.35" पू में बिंदु तक दक्षिण की ओर जाती है; इसके बाद भू-निर्देशांक 27° 37' 28.639"उ, 96° 51' 16.75" पू में बिंदु तक जाती है।

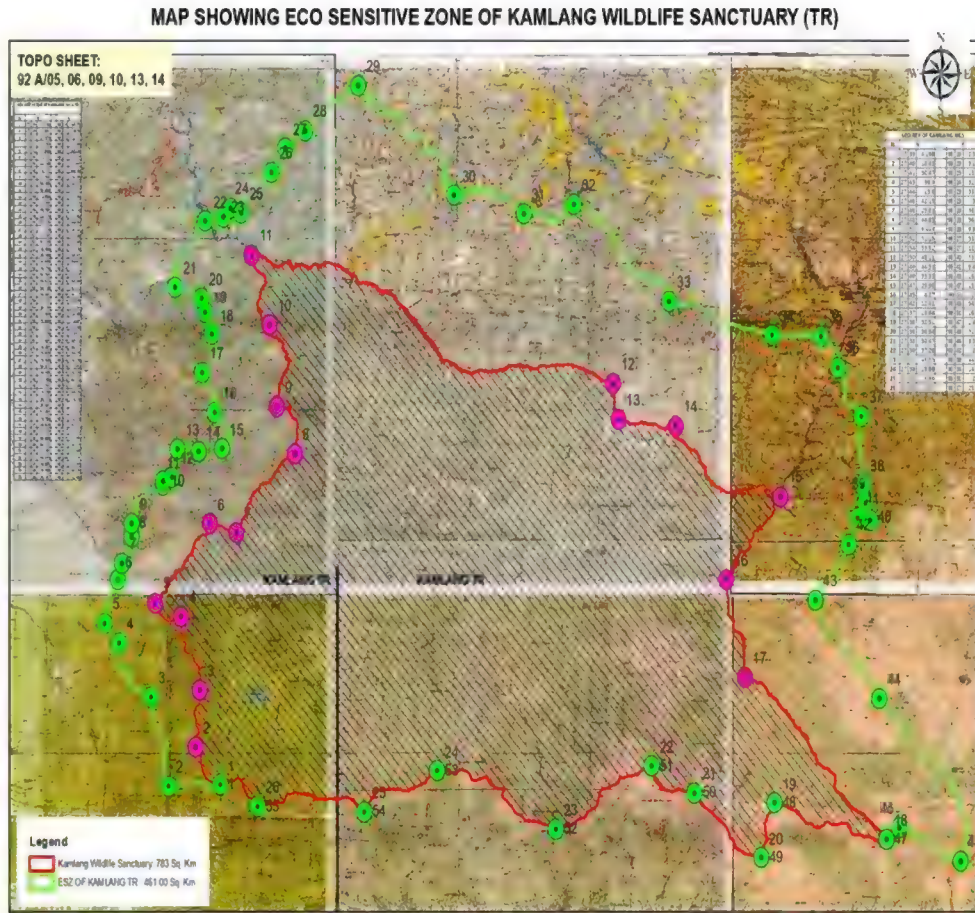
दक्षिण:- इसके बाद, वन्यजीव अभयारण्य की सीमा भू-निर्देशांक 27° 38' 32.510" उ, 96° 47' 2.443" पू; 27° 36' 56.866" उ, 96° 46' 32.365" पू; 27° 38' 50.471" उ, 96° 44' 0.319" पू; 27° 39' 37.264" उ, 96° 42' 22.986" पू; 27° 37' 46.549" उ, 96° 38' 44.444"पू; 27° 39' 28.865" उ, 96° 34' 14.189" पू; 27° 38' 16.958" उ, 96° 31' 28.97" पू; 27° 38' 26.167" उ, 96° 27' 25.38" पू; 27° 39' 4.198" उ, 96° 26' 0.575" पू के साथ होते हुए जाती है।

पश्चिम:- इसके बाद, भू-निर्देशांक 27° 39' 1.861" उ, 96° 24' 2.85" पू में उच्च बिंदु 2513 (चम्पाई बम); भू-निर्देशांक 27° 41' 37.979" उ, 96° 23' 23.29 पू में 2373, 2393, 2132 ; भू-निर्देशांक 27° 43' 13.159" उ, 96° 22' 10.17" पू तक 1743; भू-निर्देशांक 27° 43' 47.698" उ, 96° 21' 38.51" पू; 27° 45' 3.744" उ, 96° 22' 7.78" पू; 27° 45' 33.196" उ, 96° 22' 17.36" पू; 27° 46' 19.272"उ, 96° 22' 38.69" पू; 27° 46' 42.402" उ, 96° 22' 39.21" पू; 27° 47' 50.305" उ, 96° 23' 50.51" पू; 27° 47' 55.856" उ, 96° 23' 50.92" पू; 27° 48' 3.650" उ,

96° 24' 11.29" पू; 27° 48' 53.204" उ, 96° 24' 24.22" पू; 27° 48' 48.762" उ, 96° 25' 10.73" पू में 1243 से होते हुए मेड़ के साथ जाती है; भू-निर्देशांक 27° 48' 53.510" उ, 96° 26' 4.16" पू में उच्च बिंदु 2335 तक जाती है; इसके बाद, भू-निर्देशांक 27° 49' 57.115" उ, 96° 25' 48.85" पू; 27° 51' 7.110" उ, 96° 25' 19.45" पू में उच्च बिंदु 2009; भू-निर्देशांक 27° 52' 14.297" उ, 96° 25' 42.33" पू; 27° 52' 52.126" उ, 96° 25' 26.71" पू; 27° 53' 16.958" उ, 96° 25' 17.78" पू; 27° 53' 36.488" उ, 96° 24' 18.50" पू में उच्च बिंदु 1895; से होते हुए जाती है; इसके बाद लोहित एवं तेल्लू नदी के प्रतिप्रवाह के साथ भू-निर्देशांक में आरंभिक बिंदु तक जाती है।

अनुलग्नक – IIक

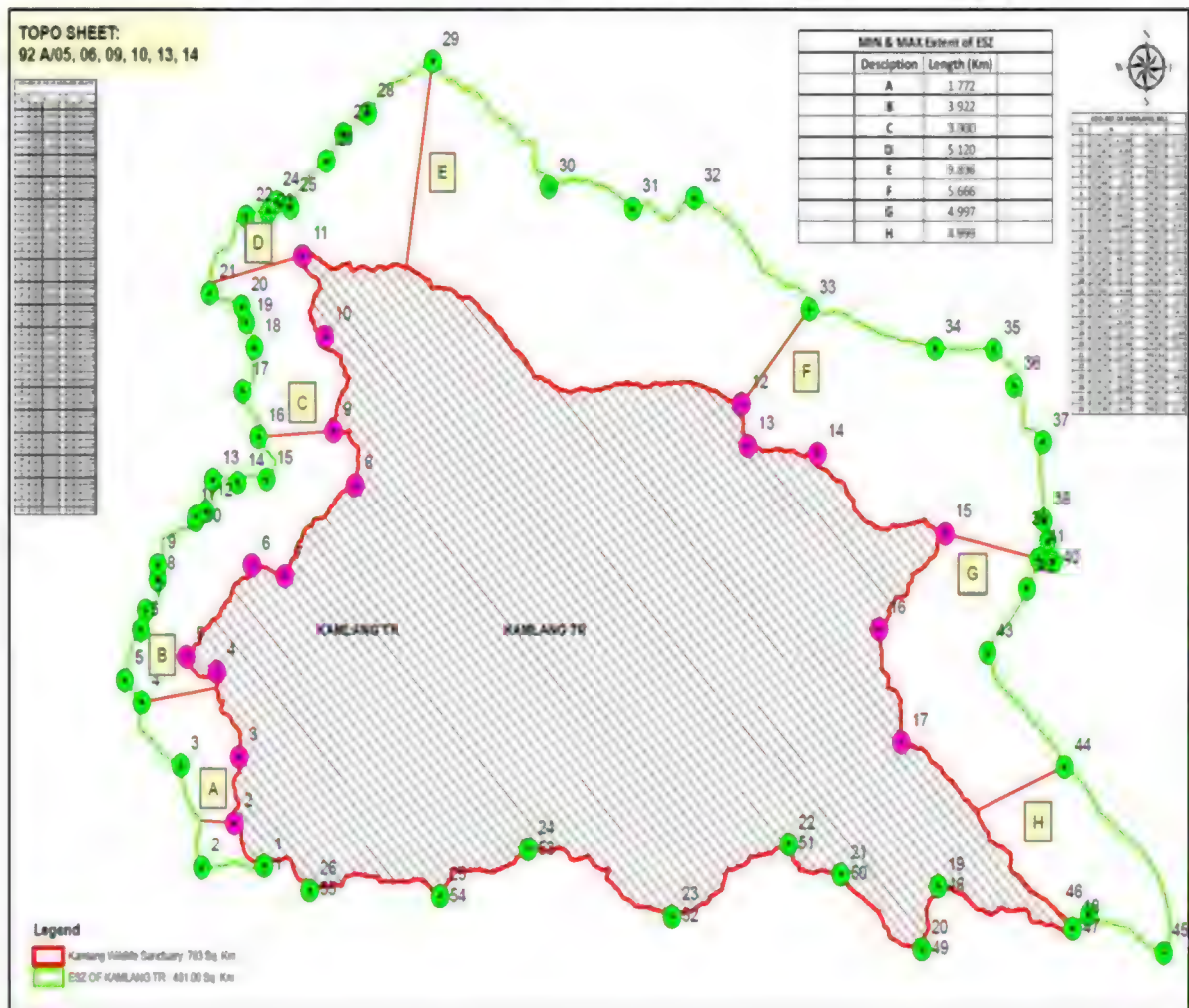
टोपोशीट पर मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर सहित कमलांग बाघ रिज़र्व के चारों ओर पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र



अनुलग्नक – IIख

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ कमलांग बाघ रिज़र्व के चारों ओर पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र

MAP SHOWING ECO SENSITIVE ZONE OF KAMLANG WILDLIFE SANCTUARY (TR)



अनुलग्नक – IIग

कमलांग बाघ रिज़र्व के चारों ओर पारिस्थितिकी संवेदी जोन का अवस्थान मानचित्र



अनुलग्नक – III

सारणी क: कमलांग वन्यजीव अभयारण्य (बाघ रिज़र्व) की सीमा के भू-निर्देशांक

क्र.सं.	उ			पू			
1	27°	39'	4.1976		96°	26'	0.5748
2	27°	40'	10.43		96°	25'	5.1672
3	27°	41'	50.474		96°	25'	13.714
4	27°	43'	59.603		96°	24'	32.461
5	27°	44'	23.604		96°	23'	33.148
6	27°	46'	42.146		96°	25'	38.017
7	27°	46'	25.806		96°	26'	38.821
8	27°	48'	44.852		96°	28'	50.261
9	27°	50'	6.4464		96°	28'	9.9156
10	27°	52'	31.152		96°	27'	53.676
11	27°	54'	33.516		96°	27'	12.496
12	27°	50'	48.109		96°	40'	55.499
13	27°	49'	44.508		96°	41'	6.4212
14	27°	49'	33.33		96°	43'	16.709
15	27°	47'	29.976		96°	47'	15.832
16	27°	45'	4.2696		96°	45'	12.222
17	27°	42'	12.406		96°	45'	54.5
18	27°	37'	28.639		96°	51'	16.751
19	27°	38'	32.51		96°	47'	2.4432
20	27°	36'	56.938		96°	46'	31.919
21	27°	38'	50.471		96°	44'	0.3192
22	27°	39'	37.264		96°	42'	22.986
23	27°	37'	46.549		96°	38'	44.444
24	27°	39'	28.865		96°	34'	14.189
25	27°	38'	16.958		96°	31'	28.97
26	27°	38'	26.167		96°	27'	25.38

सारणी ख: कमलांग बाघ रिज़र्व के चारों ओर पारिस्थितिकी संवेदी जोन के मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक

क्र.सं.	उ				पू		
1	27°	39'	4.198		96°	26'	0.57
2	27°	39'	1.861		96°	24'	2.85
3	27°	41'	37.979		96°	23'	23.29
4	27°	43'	13.159		96°	22'	10.17
5	27°	43'	47.698		96°	21'	38.51
6	27°	45'	3.744		96°	22'	7.78
7	27°	45'	33.196		96°	22'	17.36
8	27°	46'	19.272		96°	22'	38.69
9	27°	46'	42.402		96°	22'	39.21
10	27°	47'	50.305		96°	23'	50.51
11	27°	47'	55.856		96°	23'	50.92
12	27°	48'	3.650		96°	24'	11.29
13	27°	48'	53.204		96°	24'	24.22
14	27°	48'	48.762		96°	25'	10.73
15	27°	48'	53.510		96°	26'	4.16
16	27°	49'	57.115		96°	25'	48.85
17	27°	51'	7.110		96°	25'	19.45
18	27°	52'	14.297		96°	25'	42.33
19	27°	52'	52.126		96°	25'	26.71
20	27°	53'	16.958		96°	25'	17.78
21	27°	53'	36.488		96°	24'	18.50
22	27°	55'	32.646		96°	25'	26.86
23	27°	55'	39.778		96°	26'	7.14
24	27°	55'	55.704		96°	26'	23.74
25	27°	55'	46.625		96°	26'	48.41
26	27°	56'	58.236		96°	27'	56.42
27	27°	57'	40.381		96°	28'	28.12
28	27°	58'	11.734		96°	29'	13.35
29	27°	59'	30.199		96°	31'	15.15
30	27°	56'	17.909		96°	34'	53.57
31	27°	55'	45.689		96°	37'	31.08
32	27°	56'	1.741		96°	39'	26.00
33	27°	53'	12.228		96°	43'	1.66
34	27°	52'	12.032		96°	46'	56.54
35	27°	52''	10.304		96°	48'	48.25
36	27°	51'	15.826		96°	49'	26.08
37	27°	49'	49.926		96°	50'	19.77
38	27°	47'	50.021		96°	50'	21.56
39	27°	47'	18.485		96°	50'	29.34
40	27°	46'	47.168		96°	50'	38.91
41	27°	46'	51.791		96°	50'	11.71
42	27°	46'	6.290		96°	49'	50.55
43	27°	44'	28.273		96°	48'	34.61
44	27°	41'	35.581		96°	51'	1.17
45	27°	36'	51.354		96°	54'	5.93
46	27°	37'	49.760		96°	51'	45.35

47	27°	37'	28.639		96°	51'	16.75
48	27°	38'	32.510		96°	47'	2.44
49	27°	36'	56.866		96°	46'	32.37
50	27°	39'	37.264		96°	42'	22.99
51	27°	39'	28.865		96°	34'	14.19
52	27°	38'	16.958		96°	31'	28.97
53	27°	38'	26.167		96°	27'	25.38

अनुलग्नक – IV

भू-निर्देशांकों सहित कमलांग बाघ रिज़र्व के चारों ओर पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची

क्र.सं.	ग्राम के नाम	अक्षांश	देशांतर
1.	पुराना तोवम	27°45'09.47"उ	096°22'11.82"पू
2.	हलाइक्रोंग	27°50'59.10" उ	096°48'40.65" पू
3.	हवोंग	27°50'52.70" उ	096°48'36.52" पू

अनुलग्नक -V**की गई कार्रवाई सम्बन्धी रिपोर्ट का प्रपत्र:—**

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत्त: (कृपया विचारणीय बिंदुओं का वर्णन करें। बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक अनुलग्नक में प्रस्तुत करें) ।
3. पर्यटन महायोजना सहित आंचलिक महायोजना की तैयारी की स्थिति ।
4. भू-अभिलेखों की स्पष्ट त्रुटियों के सुधार के लिए निपटाए गए मामलों का सार (पारिस्थितिकी-संवेदी जोन वार)। विवरण अनुलग्नक के रूप में संलग्न करें।
5. पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार (विवरण एक पृथक अनुलग्नक के रूप में संलग्न करें)।
6. पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार (विवरण एक पृथक अनुलग्नक के रूप में संलग्न करें)।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सार ।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 2nd May, 2022

S.O. 2052(E).—In supersession of Ministry's draft notification S.O. 2050(E), dated 21st May, 2018, the following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110 003, or send it to the e-mail address of the Ministry at esz-mef@nic.in

Draft Notification

WHEREAS, the Kamlang Tiger Reserve is spread over an area of 783 square kilometers and is located in the Lohit District of Arunachal Pradesh;

AND WHEREAS, the Kamlang Wildlife Sanctuary was notified as Wildlife Sanctuary vide Notification number CWL/D/58/88/3175-3250 dated 18.10.1989 and was given the status of Tiger Reserve from the 6th September 2016 vide notification number CWL/D/159/2014/680-1781;

AND WHEREAS, the Kamlang Wildlife Sanctuary has been added to the extension of Namdapha National Park, also a Tiger Reserve and holds a rich biodiversity ideally suited for the growth of various floral and faunal form;

AND WHEREAS, the major floral species found in and around Kamlang Tiger Reserve are *Diptrocarpus macrocarpus* (Hollong), *Shorea assamica* (Sal), *Altingia excelsa* (Jutli), *Morus levigata* (Bola), *Dillenia indica* (Outenga), *Terminalia myriocarpa* (Hollock), *Toona ciliata*, *Cinnamomum cecidodaphnae*, *Castanopsis indica* (Higori), *Canarium resiniferum*, *Duabanga grandifolia* (Khokan), *Dioxylon hamiltonii* (Banderdima), *Cryptomeria penicillata*, *Eleocarpus genitrus* (Rudraksh), *Magnolia griffithii*, *Michelia champaka* (Tita champa), *Vetisa lanceaefolia*, *Albizia procera* (Koroi), *Dendrocalamus hamiltonii* (Kako), *Leea acuminata*, *Melastoma malabarica*, *Pinanga gracilis*, *Calamus floribundus* (Raidang) and *Cyathea* sp;

AND WHEREAS, the protected area supports 61 faunal species majorly including *Manis pentadactyla* (Chinese Pangolin), *Talpa leucura* (White-tailed mole), *Crocidura attenuata* (Grey shrew), *Tupaia belangeri* (Tree shrew), *Marcoglossus sobrinus* (Long-tongued hill fruit bat), *Nycticebus coucang* (Slow loris), *Macaca assamensis* (Assamese macaque), *Trachypitecus pipeatus* (Capped langur), *Cuon alpinus* (Wild Dog), *Ursus thibetanus* (Asiatic black bear), *Martes flavigula* (Yellow throated martin), *Lutra lutra* (Common otter), *Sus scrofa* (Wild pig), *Viverra zibetha* (Large Indian civet), *Paradoxurus hermaphrodites* (Common palm civet), *Herpestes edwardsii* (Grey mongoose), *Felis chaus* (Jungle cat), *Prionailurus bengalensis* (Leopard cat), *Pardofelis marmorata* (Marbled cat), *Panthera pardus* (Leopard), *Panthera tigris* (Tiger), *Elephas maximus* (Elephant), *Muntiacus muntjak* (Barking deer), *Naemorhedus sumatraensis* (Himalayan serow), *Ratufa bicolor* (Malayan giant squirrel), *Callosciurus pygerythrus* (Hoary-bellied squirrel), *Dremomys lokriah* (Orangebellied Himalayan squirrel), *Petaurista petaurista* (Common flying squirrel), *Bandicota indica* (Large bandicoot rat) and *Hystrix brachyuran* (Chinese porcupine);

AND WHEREAS, the tiger reserve conserves and supports important amphibians and reptiles species such as *Pyxidea mouhoti* (Keelbox turtle), *Gekko gecko* (Tockay), *Ptyctolaemus gularis* (Blue throated forest lizard), *Mubaya carinata* (Common sunskink), *Takydromus sexlineatus* (Asian long tailed grass lizard), *Varanus bengalensis* (Monitor lizard), *Typhlops diardi* (Diard's blind snake), *Python molurus bivittatus* (Burmese python), *Coelognathus radius* (Copperhead snake), *Pareas monticola* (Assam snail eater), *Ptyas korros* (Indo-Chinese rat snake), *Dendrolaphis pictus* (Painted bronzeback), *Boiga gokool* (Eastern gamma), *Ophiophagus hannah* (King cobra) and *Trimeresurus yunnanensis* (Green pit viper). The 5 amphibian species are *Duttaphrynus melanostictus* (Common toad), *Hyla annectans* (Indian hylid frog), *Microhyla ornata* (Ornamental pigmy frog), *Amolops assamensis* (Assamese cascade frog) and *Rhacophorus maximus* (Large tree frog);

AND WHEREAS, the area supports 11 fish species including *Anguilla bengalensis* (Long fin eel), *Salmastoma bacaila* (Large razor belly minnow), *Danio aequipinnatus* (Dorikana), *Barilius barna* (Barna braila), *Puntius sarana* (Chiniputhi), *Chagunius chagunio* (Kentaputhi), *Gara gotyla* (Gara), *Labeo pangisia* (Silghoria), *Tor tor* (Tor mahseer), *Tor putitora* (Golden Mahseer), and *Wallago attu* (Borali);

AND WHEREAS, the tiger reserve also conserves, protect and provides shelter to one rare floral species, *Psiloum nudum*, and one endangered faunal species, Hoolock Gibbon;

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area, the extent and boundaries of Kamlang Tiger Reserve which are specified in paragraph 1 as Eco-sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) (hereafter in this notification referred to as the Environment Act), read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent varying from 0 (zero) to 9.836 kilometres around the boundary of Kamlang Tiger Reserve, in the State of Arunachal Pradesh as the Kamlang Tiger Reserve Eco-sensitive Zone (hereafter in this notification referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely:

1. Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone. – (1) The Eco-sensitive Zone shall be to the extent of 0 to 9.836 kilometres around the boundary of Kamlang Tiger Reserve of the Eco-sensitive Zone is 461 square kilometres. The extent of Eco-sensitive Zone in different directions is as follows: [F. No. M.VI-16/22/2022-Mines VI]

Directions	Extent (in kilometres)
North	5.6 to 9.8 km
North-East	4.997 km
East	4.997 km
South-East	0 km
South	0 km
South –West	1.772 km
West	3.9 to 3.92 km
North- West	5.12 km

Note: Zero ESZ has been proposed in southern direction of protected area as because Namdapha National Park lies in the southern direction of Kamlang Wildlife Sanctuary (Tiger Reserve).

(2) The boundary description of Eco-sensitive Zone around Kamlang Tiger Reserve is appended in **Annexure-I**.

(3) The maps of the Kamlang Tiger Reserve demarcating Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes are appended as **Annexure-IIA**, **Annexure-IIB** and **Annexure-IIC**.

(4) Lists of geo co-ordinates of the boundary of Kamlang Tiger Reserve and Eco-sensitive Zone are given in Table A and Table B of **Annexure-III**.

(5) The list of villages falling in the Eco-sensitive Zone along with their geo co-ordinates at prominent points is appended as **Annexure-IV**

2. Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.-(1) The State Government shall, for the purposes of the Eco-sensitive Zone prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the competent authority in the State Government.

(2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

(3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following Departments of the State Government, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:-

- (i) Environment;
- (ii) Forest and Wildlife;
- (iii) Agriculture;
- (iv) Revenue;
- (v) Urban Development;
- (vi) Tourism;
- (vii) Rural Development;
- (viii) Irrigation and Flood Control;
- (ix) Municipal;

- (x) Panchayati Raj; and
- (xi) Public Works Department.

(4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

(6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, green area, such as, parks and it's like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps giving details of existing and proposed land use features.

(7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited and regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for security of local communities' livelihood.

(8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.

(9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

(10) Pending approval of the Zonal Master Plan, any new developmental activities shall be governed by provisions specified at Para 6(3) and 6(4).

3. Measures to be taken by the State Government.—The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:—

(1) Land use.— (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or residential or industrial activities:

Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purposes other than that specified at part (a) above, within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of Central Government or State Government as applicable and *vide* provisions of this notification, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as—

- (i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;
- (ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;
- (iii) small scale industries not causing pollution;
- (iv) cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and
- (v) promoted activities given in paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph;

(b) efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

(2) **Natural water bodies.**-The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) **Tourism or eco-tourism.**-(a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone;

(b) the Tourism Master Plan shall be prepared by the State Department of Tourism in consultation with the State Departments of Environment and Forests;

(c) the Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan;

(d) the Tourism Master Plan shall be drawn based on the study of carrying capacity of the Eco-sensitive Zone;

(e) the activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) new construction of hotels and resorts shall not be allowed within one kilometre from the boundary of the protected area or upto the extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer:

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

(ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by the National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development;

(iii) until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within Eco-sensitive Zone area.

(4) **Natural heritage.**- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.

(5) **Man-made heritage sites.**-Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part of the Zonal Master Plan.

(6) **Noise pollution.** -Prevention and control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment Act.

(7) **Air pollution.**-Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made there under.

(8) **Discharge of effluents.**-Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environment Act and the rules made there under or standards stipulated by the State Government, whichever is more stringent.

(9) **Solid wastes.**-Disposal and Management of solid wastes shall be as under:-

(a) the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8th April, 2016; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;

(b) safe and Environmentally Sound Management of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-sensitive Zone.

(10) **Bio-Medical Waste.**-Bio-Medical Waste Management shall be as under:-

(a) the Bio-Medical Waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 343 (E), dated the 28th March, 2016;

(b) safe and Environmentally Sound Management of Bio-Medical Wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-sensitive Zone.

(11) Plastic waste management.- The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time.

(12) Construction and demolition waste management.- The construction and demolition waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.

(13) E-waste.- The e - waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.

(14) Vehicular traffic.- The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the competent authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(15) Vehicular pollution.- Prevention and control of vehicular pollution shall be in compliance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuels.

(16) Industrial units.- (a) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone;

(b) only non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, as amended from time to time, unless so specified in this notification, and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.

(17) Protection of hill slopes.- The protection of hill slopes shall be as under:-

(a) the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;

(b) construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall not be permitted.

4. List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone.- All activities in the Eco-sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment Act and the rules made there under including the Coastal Regulation Zone, 2011 and the Environmental Impact Assessment Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:—

TABLE

S. No.	Activity	Description
A. Prohibited Activities		
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	<p>(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units shall be prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses within Eco- sensitive Zone;</p> <p>(b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated the 4th August, 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated the 21st April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.</p>

2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	New industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall not be permitted: Provided that, non-polluting industries shall be allowed within Eco-Sensitive Zone as per classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, as amended from time to time, unless so specified in this notification and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.
3.	Establishment of major hydroelectric project.	Prohibited.
4.	Use or production or processing of any hazardous substance.	Prohibited.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited.
6.	Setting up of new saw mills.	New or expansion of existing saw mills shall not be permitted within the Eco-sensitive Zone.
7.	Setting up of brick kilns.	Prohibited.
8.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate and companies.	Prohibited.
B. Regulated Activities		
9.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the Protected Area or upto the extent of Eco-sensitive zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for Eco-tourism activities: Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected Area or upto the extent of Eco-sensitive Zone whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.
10.	Construction activities.	(a) New commercial construction of any kind shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the Protected Area or upto extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer: Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities listed in sub-paragraph (1) of paragraph 3 as per building bye-laws to meet the residential needs of the local residents: Provided that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any. (b) Beyond one kilometer it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.
11.	Small scale non-polluting industries.	Non polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, as amended from time to time, and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent Authority.

12.	Felling of trees.	(a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the competent authority in the State Government. (b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made there under.
13.	Collection of Forest Produce or Non-Timber Forest Produce.	Regulated under applicable laws.
14.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws of underground cabling may be promoted.
15.	Infrastructure including civic amenities.	Taking measures of mitigation, as per applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
16.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Taking measures of mitigation, as per applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
17.	Undertaking other activities related to tourism like over flying over the Eco-sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, Microlites, etc.	Regulated as per the applicable laws.
18.	Protection of Hill Slopes and river banks.	Regulated as per the applicable laws.
19.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.
20.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted as per the applicable laws for use of locals.
21.	Discharge of treated waste water/effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water or effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise, the discharge of treated waste water/effluent shall be regulated as per the applicable laws.
22.	Commercial extraction of surface and ground water.	Regulated under applicable laws.
23.	Open Well, Bore Well, etc. for agriculture or other usage.	Regulated and the activity should be strictly monitored by the appropriate authority.
24.	Solid Waste Management.	Regulated as per the applicable laws.
25.	Introduction of exotic species.	Regulated as per the applicable laws.
26.	Eco-tourism.	Regulated as per the applicable laws.
27.	Use of polythene bags.	Regulated as per the applicable laws.
28.	Commercial Sign boards and hoardings.	Regulated as per the applicable laws.
C. Promoted Activities		
29.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
30.	Organic farming.	Shall be actively promoted.

31.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
32.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
33.	Use of renewable energy and fuels.	Bio-gas, solar light etc. shall be actively promoted.
34.	Agro-Forestry.	Shall be actively promoted.
35.	Plantation of Horticulture and Herbals.	Shall be actively promoted.
36.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.
37.	Skill Development.	Shall be actively promoted.
38.	Restoration of Degraded Land/ Forests/ Habitat.	Shall be actively promoted.
39.	Environmental Awareness.	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee for Monitoring the Eco-sensitive Zone Notification.—For effective monitoring of the provisions of this notification under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, the Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, comprising of the following, namely:-

S. No.	Constituent of the Monitoring Committee	Designation
(i)	Deputy Commissioner, Lohit District, Tezu, Arunachal Pradesh	Chairman;
(ii)	Member Secretary, Arunachal Pradesh State Pollution Control Board, Itanagar	Member;
(iii)	A representative of Non-governmental Organization working in the field of Wildlife Conservation to be nominated by the State Government	Member;
(iv)	An expert in the field of Biodiversity to be nominated by the State Government	Member;
(v)	Representative of Urban Development Department., Lohit District, Tezu	Member;
(vi)	Representative of Rural works Department, Lohit District	Member;
(vii)	Representative of Public works Department, Lohit District	Member;
(viii)	One expert in Ecology from reputed Institution or University of the State	Member;
(ix)	Divisional Forest Officer, Kamlang Wildlife Sanctuary, Wakro	Member Secretary.

6. Terms of reference. – (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

- (2) The tenure of the Monitoring committee shall be till further orders, provided that the non-official members of the Committee shall be nominated by the State Government from time to time.
- (3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under **paragraph 4** thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.
- (4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.

- (5) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment Act, against any person who contravenes the provisions of this notification.
- (6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.
- (7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma appended at Annexure V.
- (8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. Additional Measures. - The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. Supreme Court, etc. orders. -The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or High Court or the National Green Tribunal.

[F. No. 25/13/2015-ESZ-RE]

S. KERKETTA, Scientist 'G'

ANNEXURE- I

TABLE A: BOUNDARY DESCRIPTION OF THE KAMLANG TIGER RESERVE

Name: Kamlang Tiger Reserve

Area :783.0 Sq km

BoundaryAs below

NORTH	Starting from a point 'A' which is the confluence of Tawa river with Lang river, at GR777414, the boundary runs along the right bank of Lang river (Lam river)' upstream, till its source at GR 001356. thence along an artificial line at a bearing of about 90° for a distance of about 700 mtrs. to the ridge 3912 at GR 006356, thence along the ridge touching the peaks 3936.3948 in southern direction, thence it follows the ridge ineastern direction up to the source of Tawa nalla at GR 044333, hence along the right bank of Tawa nalla upto its confluence with Lati river, say point 'B'.
EAST	Thence, from the point 'B' along the upstream of Lati river upto its source about 300mtrs. East of altitude 4131 mtrs, at district boundary of Changlang and Lohit district.
SOUTH	Thence, the boundary follows the inter district boundary of Changlang and Lohit westwards upto the source of Tawai Brai at GR 766127.
WEST	Thence, along the left bank of TawaiBrai downstream upto its confluence with Kamlang river at GR 745218; thence, along the left bank of Kamlang river downstream upto confluence of its tributary Sina Brai at GR 726225; thence along the river bank of Sina Brai upstream upto its source at GR 750258. thence, along an artificial line at a bearing of about 340° for a distance of 200 mtr. upto the source of the tributary of Lai river at GR 748260. thence along left bank of that tributary downstream upto its confluence with Lai river atGR 755274: thence along the left bank of Lai river upstream upto its source at GR 776264: thence an artificial line at a bearing of about 10° for a distance of 350 mtr. upto the source of a tributary of Tawa river at GR 778267,thence along the left bank of that tributary downstream upto its confluence with Tawa river at GR 809307, thence, along the left bank of Tawa river downstream upto its confluence with Lang river i.e, the starting point 'A'.

Name: - Core area of Kamlang Tiger Reserve

Area: - 671.0 Sqkm

Boundary As below

The boundary of Core area starts from a point 1 km inside the southwest corner of Kamlang WLS (TR) at geo-coordinates 27°39'13.108" N and 96°26'6.400" E, from thence, the boundary,goes northwards 1 km parallel to reserve boundary passing through the point at geo – coordinates 27°44'27.244"N and 96°24'28.174"E. up to the point at geo-coordinates 27°53'52.998"N and 96°28'10.351"E. Thence, the boundary goes eastwards passing through the point a geo-coordinates 27°50'26.862"N and 96°35'1.165" E. upto to the point 27°47'3.304"N and 96°45'50.782"E.Thence, southwards passing through the point at geo-coordinates 27°41'58.164" N and 96°45'5.407"E upto the point 27°37'56.165"N and 96°49'36.606" E .Thence westwards along the southern boundaries of Kamlang TR upto the starting point at geo-coordinates 27°39'13.108"N and 96°26'6.400 E.

Name:- Buffer area of Kamlang Tiger Reserve

Area:- 112.0 Sq km

Boundary As below

The boundary of buffer area starts from a point 1 km inside the southwest corner of Kamlang WLS (TR) at geo coordinates 27°39'13.108" N and 96°26'6.400" E, from thence, the boundary goes northwards 1 km parallel to reserve boundary passing through the point at geo – coordinates 27°44'27.244"N and 96°24'28.174"E. up to the point at geo-coordinates 27°53'52.998"N and 96°28'10.351"E. Thence, the boundary goes eastwards passing through the point at geo-coordinates 27°50'26.862"N and 96°35'1.165" E, upto to the point 27° 47' 3. 304"N and 96°45'50.782" Thence, southwards passing through the point at geo - coordinates 27°41'58.164" N and 96°45'5.407" E upto the point 27°37'56.165"N and 96°49'36.606"E. Thence, east wards for 1 km where it meets the southeast corner of the reserve. From thence, northwardsthen westwards and then southwards along the reserve boundary upto the southwards corner ofthe reserve. Then, eastwards for 1 km upto the starting point.

TABLE B: BOUNDARY DESCRIPTION OF ECO-SENSITIVE ZONE OF KAMLANG TIGER RESERVE**Boundary description of Eco-Sensitive Zone of Kamlang Tiger Reserve**

North:- Staring from a point at geo co-ordinates 27° 47' 55.856" N, 96° 23' 50.92" E; the boundary goes towards north-west along the downstream of Lang River a tributary of Lohit River upto a point at geo-coordinates 27° 55' 32.646" N, 96° 25' 26.86" E;thence, the boundary goes north-eastwards along geo-coordinates 27° 55' 39.778"N, 96° 26' 7.14" E; 27° 55' 55.704" N, 96° 26' 23.74" E; thence, upto a point on a tributary of Lang Bung at geo co-ordinates

27° 55' 46.625" N, 96° 26' 48.41" E; thence, along the tributary of Lang Bung upto its origin near peak point 2065 at geo co-ordinates 27° 56' 58.236" N, 96° 27' 56.42" E. Thence, along the ridge through peak points 2341 at geo co-ordinates 27° 57' 40.381" N, 96° 28' 28.12" E; 2796 at geo co-ordinates 27° 58' 11.734" N, 96° 29' 13.35" E; 2901 at geo co-ordinates 27° 59' 30.199" N, 96° 31' 15.15" E; 3196, 2893 (Perur) and 3072 upto geo co-ordinates 27° 56' 17.909" N, 96° 34' 53.57" E. Thence, to peak points 1477 at geo co-ordinates 27° 55' 45.689" N, 96° 37' 31.08" E; 2438, 1256 at geo co-ordinates 27° 56' 1.741" N, 96° 39' 26.00" E; peak points 292, 3632 at geo co-ordinates 27° 53' 12.228" N, 96° 43' 1.66" E; peak points 3644, 2975, 2605 at geo co-ordinates 27° 52' 12.032" N, 96° 46' 56.54" E; peak points 2020, 2032 at geo co-ordinates 27° 52' 10.304" N, 96° 48' 48.25" E; upto a point on Lati River at geo co-ordinates 27° 51' 15.826" N, 96° 49' 26.08" E.

East:-Thence, towards southern direction along the ridge through the points at geo co-ordinates 27° 49' 49.926" N, 96° 50' 19.77" E; 27° 47' 50.021" N, 96° 50' 21.56" E; 27° 47' 18.485" N, 96° 50' 29.34" E; upto peak point 3775 at geo co-ordinates 27° 46' 47.168" N, 96° 50' 38.91" E. Thence, towards west for a distance of 1500 meter approx upto a point at geo co-ordinates 27° 46' 51.791" N, 96° 50' 11.71" E; thence, towards south-west till it meet Klathi Nallah (La Ti) at geo co-ordinates 27° 46' 6.290" N, 96° 49' 50.55" E; thence, crossing La Ti along the ridge upto a point at geo co-ordinates 27° 44' 28.273" N, 96° 48' 34.61" E; thence passing through peak point 4289 upto a point at geo co-ordinates 27° 41' 35.581" N, 96° 51' 1.17" E; peak point 4001 upto peak point 3962 at geo co-ordinates 27° 36' 51.354" N, 96° 54' 5.93" E; thence towards south upto a point at geo co-ordinates 27° 37' 49.760" N, 96° 51' 45.35" E; thence upto a point at geo co-ordinates 27° 37' 28.639" N, 96° 51' 16.75" E.

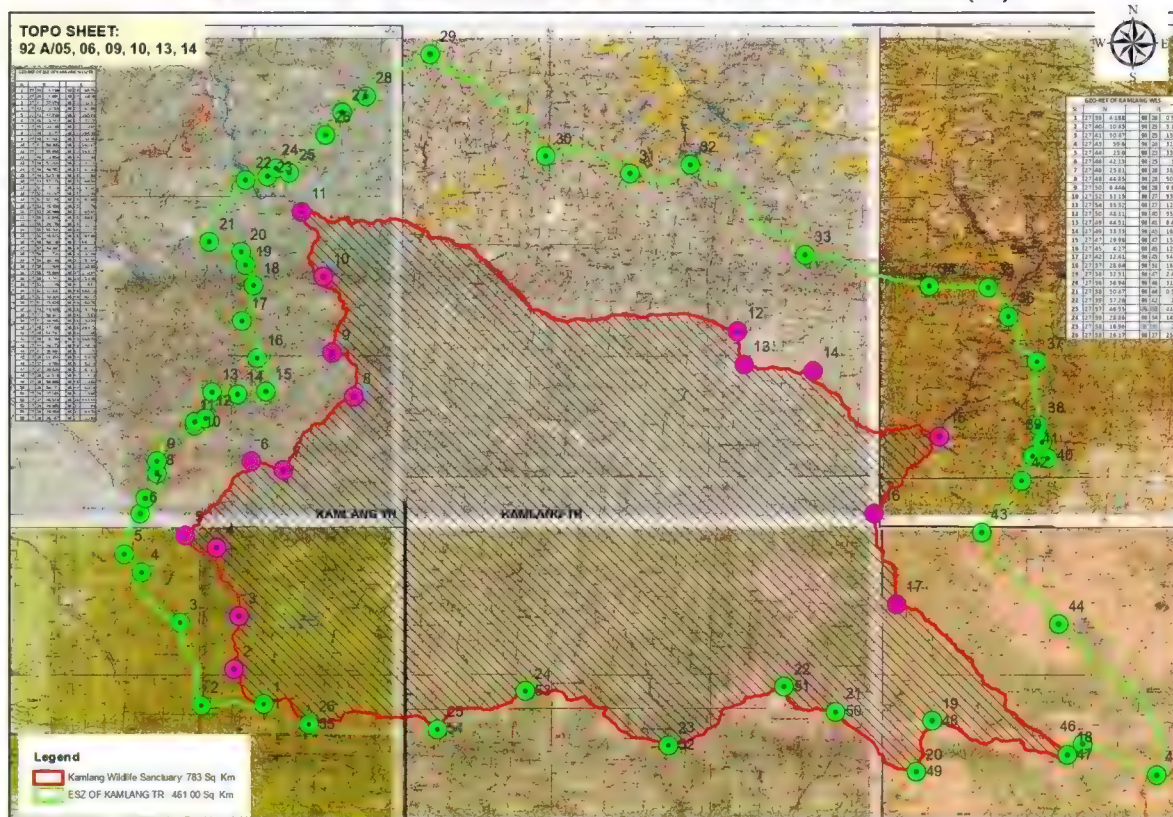
South:- Thence, along the boundary of WLS through geo co-ordinates 27° 38' 32.510" N, 96° 47' 2.443" E; 27° 36' 56.866" N, 96° 46' 32.365" E; 27° 38' 50.471" N, 96° 44' 0.319" E; 27° 39' 37.264" N, 96° 42' 22.986" E; 27° 37' 46.549" N, 96° 38' 44.444" E; 27° 39' 28.865" N, 96° 34' 14.189" E; 27° 38' 16.958" N, 96° 31' 28.97" E; 27° 38' 26.167" N, 96° 27' 25.38" E; 27° 39' 4.198" N, 96° 26' 0.575" E.

West:- Thence, along the ridge through peak points 2513 (Champhai Bum) at geo co-ordinates 27° 39' 1.861" N, 96° 24' 2.85" E; 2373, 2393, 2132 at geo co-ordinates 27° 41' 37.979" N, 96° 23' 23.29 E; 1743 upto geo co-ordinates 27° 43' 13.159" N, 96° 22' 10.17" E; 1243 at geo co-ordinates 27° 43' 47.698" N, 96° 21' 38.51" E; 27° 45' 3.744" N, 96° 22' 7.78" E; 27° 45' 33.196" N, 96° 22' 17.36" E; 27° 46' 19.272" N, 96° 22' 38.69" E; 27° 46' 42.402" N, 96° 22' 39.21" E; 27° 47' 50.305" N, 96° 23' 50.51" E; 27° 47' 55.856" N, 96° 23' 50.92" E; 27° 48' 3.650" N, 96° 24' 11.29" E; 27° 48' 53.204" N, 96° 24' 24.22" E; 27° 48' 48.762" N, 96° 25' 10.73" E; upto peak point 2335 at geo co-ordinates 27° 48' 53.510" N, 96° 26' 4.16" E; thence, through peak point 2009 at geo co-ordinates 27° 49' 57.115" N, 96° 25' 48.85" E; 27° 51' 7.110" N, 96° 25' 19.45" E; peak point 1895 at geo co-ordinates 27° 52' 14.297" N, 96° 25' 42.33" E; 27° 52' 52.126" N, 96° 25' 26.71" E; 27° 53' 16.958" N, 96° 25' 17.78" E; 27° 53' 36.488" N, 96° 24' 18.50" E; upto peak point 316, thence along the upstream of Lohit or Tellu River upto the starting point at geo co-ordinates 27° 47' 55.856" N, 96° 23' 50.92" E.

ANNEXURE- IIA

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE AROUND KAMLANG TIGER RESERVE ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS ON TOPOSHEET

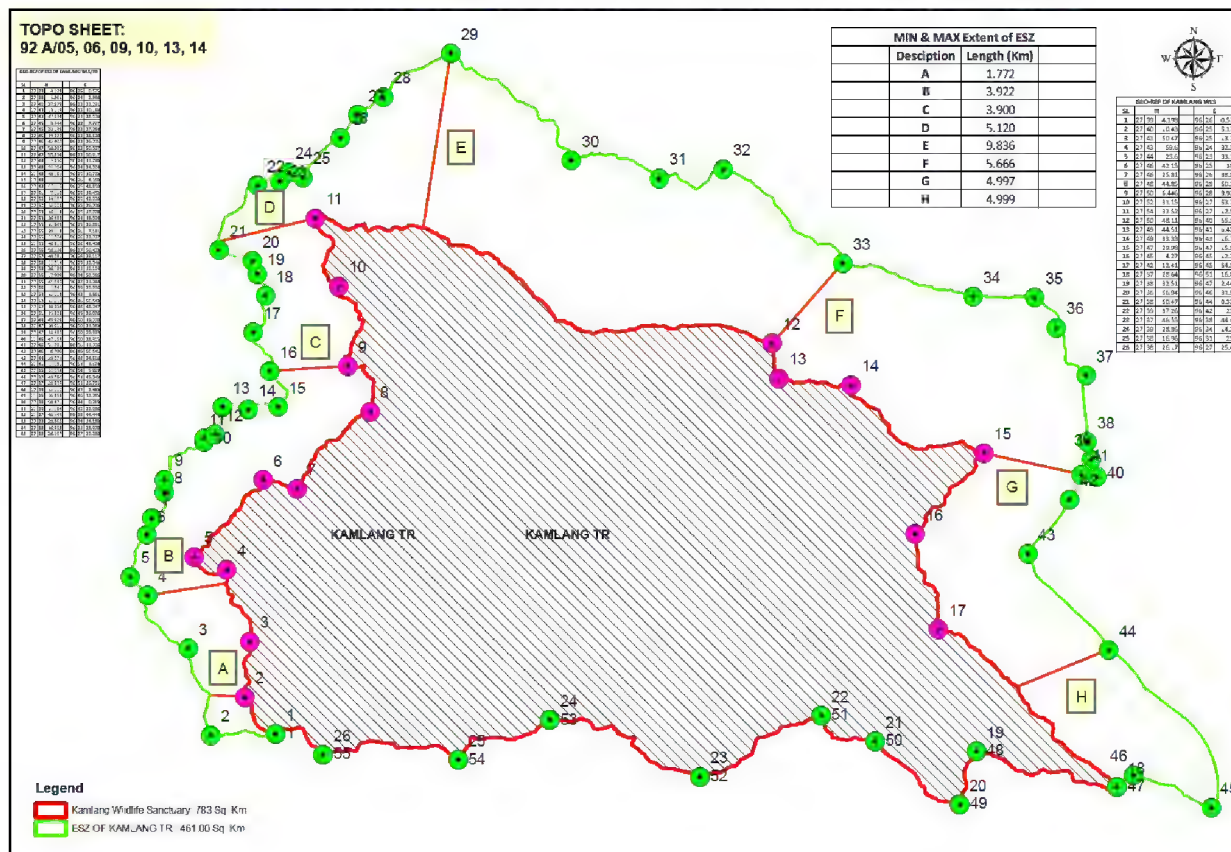
MAP SHOWING ECO SENSITIVE ZONE OF KAMLANG WILDLIFE SANCTUARY (TR)



ANNEXURE- IIB

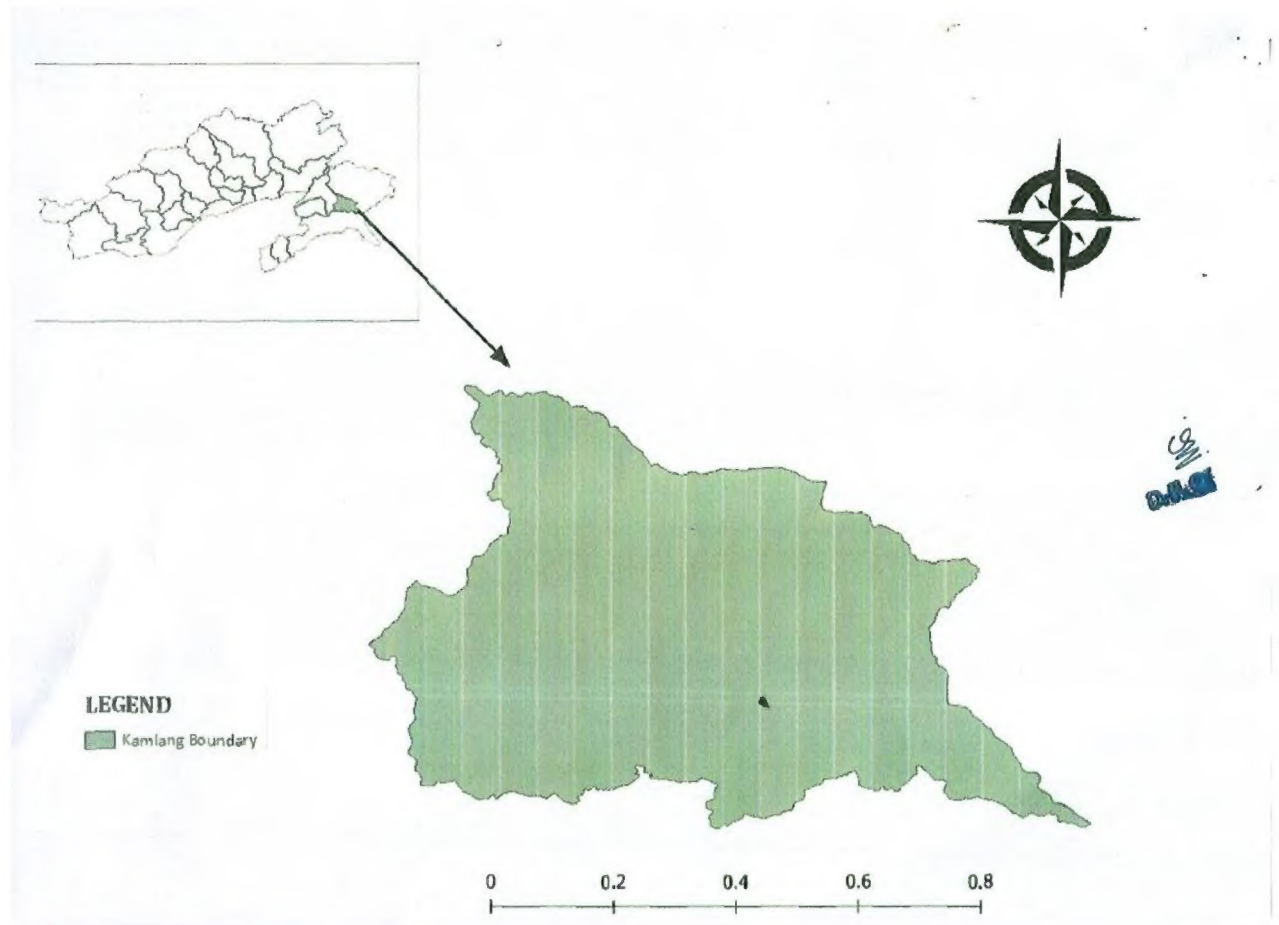
MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE AROUND KAMLANG TIGER RESERVE ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS

MAP SHOWING ECO SENSITIVE ZONE OF KAMLANG WILDLIFE SANCTUARY (TR)



ANNEXURE- IIC

LOCATION MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE AROUND KAMLANG TIGER RESERVE



ANNEXURE-III

TABLE A: GEO- COORDINATES OF BOUNDARY OF KAMLANG WILDLIFE SANCTUARY(TIGER RESERVE)

SL	N				E		
1	27°	39'	4.1976		96°	26'	0.5748
2	27°	40'	10.43		96°	25'	5.1672
3	27°	41'	50.474		96°	25'	13.714
4	27°	43'	59.603		96°	24'	32.461
5	27°	44'	23.604		96°	23	33.148
6	27°	46'	42.146		96°	25'	38.017
7	27°	46'	25.806		96°	26'	38.821
8	27°	48'	44.852		96°	28'	50.261
9	27°	50'	6.4464		96°	28'	9.9156
10	27°	52'	31.152		96°	27'	53.676
11	27°	54'	33.516		96°	27'	12.496
12	27°	50'	48.109		96°	40'	55.499
13	27°	49'	44.508		96°	41'	6.4212
14	27°	49'	33.33		96°	43'	16.709
15	27°	47'	29.976		96°	47'	15.832
16	27°	45'	4.2696		96°	45'	12.222
17	27°	42'	12.406		96°	45'	54.5
18	27°	37'	28.639		96°	51'	16.751
19	27°	38'	32.51		96°	47'	2.4432
20	27°	36'	56.938		96°	46'	31.919
21	27°	38	50.471		96°	44'	0.3192
22	27°	39'	37.264		96°	42'	22.986
23	27°	37'	46.549		96°	38'	44.444
24	27°	39'	28.865		96°	34'	14.189
25	27°	38'	16.958		96°	31'	28.97
26	27°	38'	26.167		96°	27'	25.38

TABLE B: GEO-COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF ECO- SENSITIVE ZONE AROUND KAMLANG TIGER RESERVE

SL	N				E		
1	27°	39'	4.198		96°	26'	0.57
2	27°	39'	1.861		96°	24'	2.85
3	27°	41'	37.979		96°	23'	23.29
4	27°	43'	13.159		96°	22'	10.17
5	27°	43'	47.698		96°	21'	38.51
6	27°	45'	3.744		96°	22'	7.78
7	27°	45'	33.196		96°	22'	17.36
8	27°	46'	19.272		96°	22'	38.69
9	27°	46'	42.402		96°	22'	39.21
10	27°	47'	50.305		96°	23'	50.51
11	27°	47'	55.856		96°	23'	50.92
12	27°	48'	3.650		96°	24'	11.29
13	27°	48'	53.204		96°	24'	24.22
14	27°	48'	48.762		96°	25'	10.73
15	27°	48'	53.510		96°	26'	4.16
16	27°	49'	57.115		96°	25'	48.85
17	27°	51'	7.110		96°	25'	19.45
18	27°	52'	14.297		96°	25'	42.33
19	27°	52'	52.126		96°	25'	26.71
20	27°	53'	16.958		96°	25'	17.78
21	27°	53'	36.488		96°	24'	18.50
22	27°	55'	32.646		96°	25'	26.86
23	27°	55'	39.778		96°	26'	7.14
24	27°	55'	55.704		96°	26'	23.74
25	27°	55'	46.625		96°	26'	48.41
26	27°	56'	58.236		96°	27'	56.42
27	27°	57'	40.381		96°	28'	28.12
28	27°	58'	11.734		96°	29'	13.35
29	27°	59'	30.199		96°	31'	15.15
30	27°	56'	17.909		96°	34'	53.57
31	27°	55'	45.689		96°	37'	31.08
32	27°	56'	1.741		96°	39'	26.00
33	27°	53'	12.228		96°	43'	1.66
34	27°	52'	12.032		96°	46'	56.54
35	27°	52''	10.304		96°	48'	48.25
36	27°	51'	15.826		96°	49'	26.08
37	27°	49'	49.926		96°	50'	19.77
38	27°	47'	50.021		96°	50'	21.56
39	27°	47'	18.485		96°	50'	29.34
40	27°	46'	47.168		96°	50'	38.91
41	27°	46'	51.791		96°	50'	11.71
42	27°	46'	6.290		96°	49'	50.55
43	27°	44'	28.273		96°	48'	34.61
44	27°	41'	35.581		96°	51'	1.17
45	27°	36'	51.354		96°	54'	5.93
46	27°	37'	49.760		96°	51'	45.35
47	27°	37'	28.639		96°	51'	16.75
48	27°	38'	32.510		96°	47'	2.44
49	27°	36'	56.866		96°	46'	32.37
50	27°	39'	37.264		96°	42'	22.99
51	27°	39'	28.865		96°	34'	14.19
52	27°	38'	16.958		96°	31'	28.97
53	27°	38'	26.167		96°	27'	25.38

ANNEXURE-IV

**LIST OF VILLAGES FALLING UNDER ECO-SENSITIVE ZONE AROUND KAMLANG TIGER
RESERVE ALONG WITH GEO-COORDINATES**

S.No	Name of the Village	Latitude	Longitude
4.	Old Towam	27°45'09.47"N	096°22'11.82"E
5.	Halaikrong	27°50'59.10"N	096°48'40.65"E
6.	Hawong	27°50'52.70"N	096°48'36.52"E

ANNEXURE –V

Performa of Action Taken Report: -

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: (mention noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure).
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt with rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.